

आनलाईन कक्षा -६
हिन्दो
पाठ -1
आओ हम अच्छे बने

CHANGING YOUR TOMORROW

1

आओ! हम अच्छे बनें

हमारा भारत देश है बड़ा
हम छोटे बनें तो कैसे?
हमारा देश है धनी
हम गरीब बनें तो कैसे?
हमारा देश है नैतिक
हम नीतिहीन हों तो कैसे?
हमारा देश है श्रमजीवियों का
हम कामचोर हों तो कैसे?
हमारी शाला है विवेकियों की
हम अविवेकी बनें तो कैसे?
आओ! हम अच्छे बनें
भारत की शान बढ़ाएँ।

—डॉ. सिद्धया पुराणिक

हिंदी अनुवाद—डॉ. टी.जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी'

हमारा भारत देश है बड़ा
हम छोटे बन तो कैसे?
हमारा देश है धनी
हम गरीब बन तो कैसे?
हमारा देश है नैतिक
हम नीतिहीन हों तो कैसे?

शब्दाथ -

धनी – अमीर

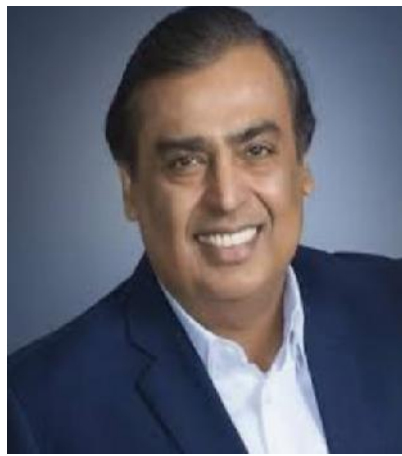
नैतिक – जीवन मूल्य

नीतिहीन – मूल्यरहित

कवि कहते हैं कि हमारा भारत देश बड़ा है । यहाँ नैतिकता भरा है । यहाँ के लोग परिश्रमी तथा विवेकवान् हैं । कवि देशवासियों को अच्छे बनने के लिए प्रेरणा देते हुए भारत की शान बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं ।

- पुरव से परिचम उत्तर से दक्षिण तक भारत देश विस्तृत है । तो हम छोटे कैसे बन सकते हैं ?

- हमारे देश में टाय, अबानी जैसे धनी व्यक्ति हैं तो हम गरीब कैसे बन सकते हैं ।



संबधित प्रश्न-

- १ . कवि हमें गरीब बनकर धनी बनने के लिए क्यों कहा है ?
- २ . हमारा देश कैसा है ?
- ३ . हम नीतिहीन क्यों नहीं बन सकते ?

गृहकार्य:

पढाया गया कविता को याद करना ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

